हे महारे बोल मुँडेरे प काग,
मन्नै हे लागै,
आज मेरे बालाजी आवेंगे।।

हे मन्नै हिंचकी आवं थी रात ने,
आज रोटी मुस: थी मेरे हाथ में,
मैं तो इब समझी सुं राज,
मन्नै हे लागै,
आज मेरे बालाजी आवेंगे।।

हे महार: काग मुँडेरे प बोलता,
वो त आवण का राज खोलता,
वो त देवों के सरताज,
मन्नै हे लागै,
आज मेरे बालाजी आवेंगे।।

मेरे बालाजी दयावान हैं,
उने सब भक्तों का ध्यान है,
वो तो सबकी राख: स लाज,
मन्नै हे लागै,
आज मेरे बालाजी आवेंगे।।

अशोक भक्त नादान हस दिया,

बालाजी ने ज्ञान स,
सुण कौशिक जी का साज,
मन्नै हे लागै,
आज मेरे बालाजी आवेंगे।।

हे महारे बोल मुँडेरे प काग,
मन्नै हे लागै,
आज मेरे बालाजी आवेंगे।।

गायक नरेंद्र कौशिक जी।
प्रेषक राकेश कुमार खरक जाटान(रोहतक)
9992976579

Source:
https://www.bharattemples.com/mhare-munder-pe-bole-kaag-manne-lage-balaji-aayenge/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw